



सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।  
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी॥

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24223/title/maa-devi-sakandmata-mantara>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |